प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत कृषक प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय के खरपतवार अनुसंधान के वैज्ञानिकों ने उधम सिंह नगर के तहसील बाजपुर, ग्राम चकरपुर, में किसानों को खरपतवार नियंत्रण की विधियां एवं समस्याओं के प्रति प्रशिक्षण किसानों के प्रक्षेत्र पर प्रदान किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के खरतपवार अनुसंधान निदेशालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया जो अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़े जाति के किसानों के लिए निर्धारित था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कृषि अधिकारी, डा. अभय सक्सेना उपस्थित थे।

परियोजना अधिकारी, खरपतवार प्रबंधन, डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने परियोजना की उपलिब्धयों एवं खरतपवार से होने वाली हानि एवं उसके प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. तेज प्रताप द्वारा खरतपवार नियंत्रण की विभिन्न विधियों के बारे में किसानों को अवगत कराया। डा. एस. पी. सिंह ने रबी फसलों में खरपतवार से होने वाले नुकसान एवं शाकनाशियों के प्रबंधन हेतु उपयोग में आने वाले विभिन्न उपकरणों एवं शाकनाशियों की उचित मात्रा और छिड़काव के समय के बारे में किसानो को प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम में ग्राम चकरपुर से ग्राम पंचायत, ग्राम प्रधान सहित ५० कृषक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि, डा. अभय सक्सेना ने किसानों को खाद, बीज, शाकनाशी एवं छिड़काव यंत्र प्रदान किए एवं जनपद में चल रहे अनुसूचित जाति के किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को उनके प्रक्षेत्र पर जाकर किसानों की आय बढ़ाने हेतु विभिन्न संसाधनों की जानकारी दे रहे हैं जो देश के किसानों की समृद्धि के लिए एक अद्भुत मिशाल है। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. एस. पी. सिंह, ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में किसानों को खाद, बीज, शाकनाशी एवं स्प्रैयर के साथ-साथ सुरक्षा किट का वितरण किया गया।

ग्राम चकरपुर में किसानों को खरपतवार नियंत्रण की जानकारी देते वैज्ञानिक